साहित्य लेखन पर AI का प्रभाव

डॉ. संगीता कुमारी, सहायक आचार्य, हिन्दी, श्री राधा गोविन्द राजकीय महाविद्यालय, कंवर नगर, ब्रह्मपुरी, जयपुर
Email: sihagsangeeta1@gmail.com

हाल के वर्षों में कृत्रिम बुद्धि (AI) ने भाषा मॉडलिंग के क्षेत्र में तेजी से विकास किया है। इस क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक ओपनएआई (OPEN AI) का चैट जीपीटी (ChatGPT) है, जो एक शक्तिशाली एआई भाषा मॉडल (AI Language Model) है जिसमें प्रौद्योगिकी के साथ बातचीत करने के तरीके में क्रांति लाने की क्षमता है। भविष्य में साहित्य लेखन पर भी AI का प्रभाव देखने को मिल सकता है उदाहरण के लिए AI तकनीक के माध्यम से शब्द को चित्र में बदलने वाले उपकरण को देख सकते हैं।

लेखन केवल वाक्य और पैराग्राफ बनाने के लिए शब्दों को एक साथ रखने के लिए नहीं है, यह एक ऐसी कला है, जिसमें कौशल का अनूठा मिश्रण जरूरी है, क्रिएटिविटी भी शामिल, कहानी सुनाना, सहानुभूति, और विचारों और भावनाओं को एक तरह से संवाद करने की क्षमता जो पाठकों के साथ प्रतिध्वनित होती है। एआई तकनीक, जितनी उन्नत हो सकती है, इन मानवीय गुणों को दोहरा नहीं सकती है।

इसके अलावा, लेखन मानव अनुभव की अभिव्यक्ति है, और इस तरह, यह व्यक्तिगत अनुभवों, भावनाओं और सांस्कृतिक संदर्भ से प्रभावित होता है। दूसरी ओर एआई तकनीक एल्गोरिदम और गणितीय मॉडल पर आधारित है जिसमें व्यक्तिगत अनुभव या भावनाएं नहीं हैं।

अंत में, जबकि एआई प्रौद्योगिकी लेखकों के लिए एक उपयोगी उपकरण हो सकती है, यह मानव लेखकों की भूमिका को प्रतिस्थापित नहीं कर सकती है। लिखित शब्द हमेशा एक विशिष्ट मानव रचना होगी और साहित्य के निर्माण में लेखक की भूमिका मुख्य रहेगी।